उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

दर्शन–आचार्यप्रथम खण्ड, प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र –वैदिक एवं औपनिषद् दर्शन

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– 'वेद एवं उपनिषद्' शब्दों की निरूक्ति, वैदिक दर्शन की उत्पत्ति, यज्ञ संस्थान की केन्द्रीभूतता।

द्वितीय इकाई :– वेदों में सृष्टि रचना सम्बन्धी विचार, ब्रह्म निरूपण–विभिन्न मत, वैदिक तत्त्व मीमांसा (जीव, ब्रह्म, आत्मा)।

तृतीय इकाई :– वैदिक समाज दर्शन, समाज की परिभाषा, परिवार, वर्णव्यवस्था–आश्रम व्यवस्था, पञ्च महायज्ञ।

चतुर्थ इकाई :– आत्मा एवं अनात्मा, आत्मा की अवस्थाएँ (जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति, तुरीय) मोक्ष की अवधारणा।

पंचम इकाई :– पंचमहाभूत, श्रुति तथा उसका महत्त्व, श्रुति वाक्यों का वर्गीकरण, विधि, निषेध, अर्थवाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. अर्थ संग्रह – लौगाक्षि भास्कर।
2. वैदिक दर्शन – जयदेव वेदालंकार।
3. उपनिषद् दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण (अनुदित) – आर0डी0 रानाड़े।
4. भारतीय दर्शन – एम0 हिरियाना।
5. भारतीय दर्शन – दत्त एवं चटर्जी।
6. Six Ways of knowledge – D. M. DUTTA

आचार्य–प्रथम खण्ड, प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र –भारतीय नीतिशास्त्र

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– नीतिशास्त्र का स्वरूप, क्षेत्र, नैतिकता, नीतिशास्त्र की परिभाषा, भारतीय नैतिक दर्शन का विकास क्रम।

द्वितीय इकाई :– वैदिक नीतिशास्त्र, गीता का निष्काम कर्म, स्वधर्म एवं लोकसंग्रह, योगक्षेम, ऋण, ऋत, पुरुषार्थ चतुष्ट्य।

तृतीय इकाई :– धर्म, धर्म की परिभाषा, धर्म के लक्षण, कर्म सिद्धान्त, श्रेयः एवं प्रेयः, वर्णाश्रम धर्म, आश्रम धर्म,।

चतुर्थ इकाई :– योग दर्शनानुसार यम–नियम, जैन त्रिरत्न, पंचशील, महात्मा गांधी का नैतिक दर्शन (अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य)।

पंचम इकाई :– बौद्ध दर्शन का उपाय कौशल, ब्रह्मविहार, इतिकर्त्तव्यता, भारतीय दर्शन में शुभ एवं अशुभ की समस्या, बौद्ध त्रिरत्न (प्रज्ञा, शील, समाधि)।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. अर्थ संग्रह – लौगाक्षि भास्कर।
2. शास्त्र दीपिका – पार्थसार्थी मिश्र।
3. प्रकरण पंचिका – शालिकनाथ।
4. नीति दर्शन – बी0एल0 आत्रेय।
5. भारतीय नीति मीमांसा – डॉ0 राजवीर सिंह शेखावत।
6. नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त – डॉ0 वेद प्रकाश।
7. नीति दर्शन – डॉ0 बलवीर सिंह।

आचार्य–प्रथम खण्ड, प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र–पाश्चात्य नीतिशास्त्र

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– नीतिशास्त्र की परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र, नीतिशास्त्र का धर्म से सम्बन्ध, पर्यावरण एवं नीतिशास्त्र।

द्वितीय इकाई :– नैतिक प्रत्यय–शुभ, न्याय, उचित। नैतिक सद्गुण–प्लेटो, अरस्तू, नीत्शे, मार्क्स।

तृतीय इकाई :– नैतिक मापदण्ड, मनोवैज्ञानिक सुखवाद, नैतिक सुखवाद, अन्तःप्रज्ञावाद (बटलर, जी0ई0 मूर) उपयोगितावादः परिभाषा एवं भेद।

चतुर्थ इकाई :– स्वतन्त्रता, अधिकार एवं कर्त्तव्य, नैतिक बाध्यता, अपराध एवं दण्ड के सिद्धान्त, मानव अधिकार।

पंचम इकाई :– संवेगवाद–ए0जे0 एयर, स्टीवेन्सन,परामर्शवाद– आ0एम0 हेयर।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. नीतिशास्त्र की समकालीन प्रवृत्तियाँ – डॉ0 सुरेन्द्र वर्मा।
2. पाश्चात्य नीतिशास्त्र – या0 मसीह।
3. नीतिशास्त्र की भूमिका – मिश्र एवं अवस्थी।
4. अधिनीतिशास्त्र के मुख्य सिद्धान्त – वेद प्रकाश वर्मा।
5. नीतिशास्त्र की रूपरेखा – अशोक कुमार वर्मा।
6. Principia Ethica - G. E. Moore.

आचार्य–प्रथम खण्ड, प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र –भारतीय ज्ञान मीमांसा

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– ज्ञान : परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र, प्रमा एवं अप्रमा।

द्वितीय इकाई :– गौतम का प्रथम सूत्र– प्रत्यक्ष, अनुमान, अपमान, शब्द।

तृतीय इकाई :– प्रमाण : मीमांसा, वेदान्त।

चतुर्थ इकाई :– प्रामाण्यवाद : न्याय, सांख्य, मीमांसा, बौद्ध।

पंचम इकाई :– ख्यातिवाद : (ख्याति पञ्चक)।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. तर्क भाषा – केशव मिश्र।
2. सर्वदर्शन संग्रह – अन्नंभट्ट।
3. भारतीय दर्शन – डॉ0 राधाकृष्णन।
4. भारतीय दर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण – डॉ0 चन्द्रधर शर्मा।
5. भारतीय न्यायशास्त्र – चक्रधर बिजल्वाण।
6. Naya Theory of knowledge – S.S. Chatterjee.
7. The concept of knowledge – Deb brat Sen.

आचार्य–प्रथम खण्ड, प्रथम सेमेस्टर

पञ्चम प्रश्नपत्र – वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः

–80+20 अंकाः

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः – आचार्य जगदीश चन्द्र मिश्र।

आचार्य–प्रथम खण्ड, द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र –पाश्चात्य ज्ञान मीमांसा

–80+20 अंकाः

1. बुद्धिवाद – डेकार्ट, स्पिनोजा, लाइबनिज।
2. अनुभववाद – लॉक, बर्कले, ह्यूम।
3. समीक्षावाद – कांट।
4. प्रत्ययवाद – हेगेल, ब्रेडले।
5. ग्रीक दर्शन – प्लेटो, अरस्तू।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. पाश्चात्य दर्शन का उद्भव एवं विकास – एच0एस0 उपाध्याय।
2. पाश्चात्य दर्शन – चन्द्रधर शर्मा।
3. पाश्चात्य दर्शन – बी0एन0 सिंह।
4. ज्ञान दर्शन – एस0के0 सेठ एवं नीलिमा मिश्र।
5. History of Philosophy - Thilly & Wood.
6. Western Philosophy - Fal kenberg

आचार्य–प्रथम खण्ड, द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र –पाश्चात्य तत्त्वमीमांसा

–80+20 अंकाः

1. दर्शन एवं तत्त्वचितंन, प्रमुख समस्याएं, दर्शन एवं विज्ञान।
2. सत् का स्वरूप– द्वैतवाद, अनेकत्ववाद, प्रत्ययवाद, भौतिकवाद।
3. मन और शरीर के सम्बन्ध की समस्या–अन्तःक्रियावाद, समानान्तरवाद, चिदणुवाद।
4. ईश्वर विचार, ईश्वर : अस्तित्व के प्रमाण, ईश्वरवाद, सर्वेश्वरवाद।
5. आभास एवं सत्, कारणता सिद्धान्त, सामान्य एवं विशेष।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. पाश्चात्य दर्शन का समीक्षात्मक इतिहास – याकूब मसीह।
2. पाश्चात्य दर्शन – चन्द्रधर शर्मा।
3. दर्शन विवेचना – बी0पी0 वर्मा।
4. पाश्चात्य दर्शन की समस्याएं – एच0एन0 मिश्रा।
5. दर्शन शास्त्र का परिचय – डब्ल्यू पैट्रिंक।
6. Problem of Philosophy - Bertrond Rusell.
7. Introduction of Philosophy - Polmon.

आचार्य–प्रथम खण्ड, द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र –भारतीय तत्त्वमीमांसा

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– जड़वाद (चार्वाक), अनेकान्तवाद, स्याद्वाद (जैन) चार आर्य सत्य (बौद्ध), प्रतीत्यसमुत्याद।

द्वितीय इकाई :– न्याय–वैशेषिक–प्रमेय (न्याय के अनुसार), ईश्वर विचार, सप्त पदार्थ (वैशेषिक)।

तृतीय इकाई :– सांख्य–योग–प्रकृति का स्वरूप, पुरुष का स्वरुप, प्रकृति पुरूष सम्बन्ध, सत्कार्यवाद, अष्टांगयोग, ईश्वर विचार।

चतुर्थ इकाई :– मीमांसा, वेदान्त–अपूर्व, अभ्युदय–निःश्रेयस, ईश्वर, ब्रह्म एवं आत्मा।

पंचम इकाई :– मोक्ष, अपवर्ग, कैवल्य, निर्वाण, ज्ञान, कर्म एवं भक्ति।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. मानमेयोदय – नारायण भट्ट।
2. अद्वैत और विशिष्टाद्वैत वेदान्त – डॉ0 डी0एन0 सिंह।
3. भारतीय दर्शन – एन0के0 देवराज।
4. भारतीय दर्शन की समस्याएं – बी0एन0 सिंह।
5. भारतीय दर्शन – एम0 हिरियन्ना।
6. Indian Philosophy Vol I&II – S. Radha Krishnan.
7. A History of Indian Philosophy Vol I&II- S.N. Dasgupta.

8-An Introduction to Indian Philosophy- D.M. Dutta&Chattrjee.

9- Six ways of knowing - D.M. Dutta.

10. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय।

आचार्य–प्रथम खण्ड, द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र –वेदान्त दर्शन

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– वेदान्त सूत्र– चतुः सूत्रीय–अथातो ब्रह्मजिज्ञासा, जन्माद्यस्य यतः, शास्त्रयोनिऽत्वात्, तत्त्वसमन्वयात्।

द्वितीय इकाई :– माया, अविद्या, अध्यास, अनिर्वचनीयख्यातिवाद।

तृतीय इकाई :– त्रिविध सत्ता, ब्रह्मविवर्तवाद् सगुण एवं निर्गुण ब्रह्म।

चतुर्थ इकाई :– ब्रह्मपरिणामवाद, सप्तानुप्पत्तियाँ, पञ्चीकरण।

पंचम इकाई :– तर्क एवं श्रुति, अपरोक्षानुभूति, भक्ति एवं प्रपत्ति।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. शारीरिक भाष्य – (ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य)
2. वेदान्त सार – सदानन्द योगी।
3. चतुःसूत्री – आर0के0 त्रिपाठी।
4. अद्वैत वेदान्त की तार्किक भूमिका – जे0एस0 श्रीवास्तव।
5. अद्वैत और विशिष्टाद्वैत वेदान्त – डी0एन0 सिंह।
6. Concept of Sakshi in Aduaita Vedanta – Dr. A.K. Ckatterjee.
7. Life and thought of shankaracharya – G.C. Pandey.

8-Vedanta Paribhasha – Dharma Rajadhvoureendor.

आचार्य–प्रथम खण्ड, द्वितीय सेमेस्टर

पंचम् प्रश्नपत्र –सांख्य दर्शन

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– प्रकृति एवं प्रकृति पुरुष संसर्ग।

द्वितीय इकाई :– पुरुष, पुरुष बहुत्व, पुरुष सिद्धि हेतु तर्क।

तृतीय इकाई :– सत्कार्यवाद (प्रकृतिपरिणामवाद)।

चतुर्थ इकाई :– सृष्टि प्रक्रिया (महत् तत्त्व, मन, बुद्धि, अहंकार, पंचमहाभूत, पंचतन्मात्राएं)।

पंचम इकाई :– दुःखत्रय, अष्ट सिद्धियां, विवेकख्याति, बन्धन–मोक्ष (जीवन मुक्ति, विदेह मुक्ति)।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. सांख्यकारिका – ईश्वर कृष्ण।
2. शास्त्रदीपिका – पार्थसार्थी मिश्रा।
3. योगसूत्र – पतंजलि।
4. भारतीय दर्शन – हिरियन्ना।
5. भारतीय दर्शन – दत्त एवं चटर्जी।
6. Introduction Indian Philosophy – Dutta & Chatterjee.
7. Classical Samkhya : A critieal study – Animasen Gupta.

आचार्य–द्वितीय खण्ड, तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र –योग दर्शन

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– योग की परिभाषा, अष्टांग योग।

द्वितीय इकाई :– चित्त, चित्त वृत्तियॉ, चित्त भूमि, चित्त–विक्षेप।

तृतीय इकाई :– समाधि एवं समाधि के भेद।

चतुर्थ इकाई :– योग की विभूतियॉ, अभ्यास एवं वैराग्य, पंचक्लेश।

पंचम इकाई :– ईश्वर प्रणिधान, ईश्वर का स्वरूप, कैवल्य।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. पातञ्जल योग सूत्र – गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. पातञ्जल योगप्रदीप – गीता प्रेस गोरखपुर।
3. योग दर्शन – संपादक सत्यपति परिव्राजक।
4. The stady of Patanjali – S.N. Dasgupta.
5. Patanjali's Yogasutra with vyas's Bhasya – Ganganath Jha.

आचार्य–द्वितीय खण्ड, तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र –भारतीय भाषा दर्शन

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– अर्थ की समस्या : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

द्वितीय इकाई :– संकेत ग्रह : व्यक्तिवाद, जातिवाद, आकृतिवाद, जाति विशिष्ट व्यक्तिवाद।

तृतीय इकाई :– शाब्दबोध, स्फोट : पतंजलि, भतृहरि।

चतुर्थ इकाई :– वाक्यार्थ ज्ञान : आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि, तात्पर्य, अर्थ के सिद्धान्त : अन्विताभिधानवाद, अभिहितान्वयवाद।

पंचम इकाई :– भावना (शाब्दी, आर्थी), शब्दोब्रह्म (भतृहरि)।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. वाक्यपदीय – भतृहरि।
2. भाषा दर्शन – डॉ0 विजयपाल शास्त्री
3. भाषा दर्शन – डॉ0 संध्या सती।
4. शास्त्रदीपिका – पार्थसारथि मिश्र।
5. Concept of Language – Dr. U.S. Bisht.

आचार्य–द्वितीय खण्ड, तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र – समकालीन पाश्चात्य दर्शन

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– रसेल प्रत्ययवाद का खण्डन, सामान्य ज्ञान दर्शन, दर्शन एवं विश्लेषण।

द्वितीय इकाई :– विट्गेन्सटाइन :– भाषा और सत्, तथ्य और वस्तु, चित्र सिद्धान्त, अर्थ एवं प्रयोग।

तृतीय इकाई :– हुर्सल–चेतना की विषयापेक्षा का सिद्धान्त।

चतुर्थ इकाई :– ए0जे0एयर–तार्किक भाववाद, अर्थ का सत्यापन सिद्धान्त, तत्वमीमांसा का खण्डन।

पंचम इकाई :– गिल्बर्ट राइल–मनस विचार, कोटिदोष, देकार्ल के द्वैतवाद का खण्डन।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. समकालीन पाश्चात्य दर्शन – बी0के0 लाल।
2. समकालीन पाश्चात्य दर्शन – जे0एस0 श्रीवास्तव।
3. समकालीन पाश्चात्य दर्शन – लक्ष्मी सक्सेना।
4. Contemporary Western Philosophy – B.K. Lal.
5. Apperance and Reality – F.H. Bradley.

आचार्य–द्वितीय खण्ड, तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र– धर्म दर्शन –I

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– धर्म की परिभाषा, स्वरूप, धर्म का विज्ञान एवं दर्शन से सम्बन्ध।

द्वितीय इकाई :–धार्मिक बहुलवाद–हिन्दू, इस्लाम, सिक्ख, इसाई।

तृतीय इकाई :– ईश्वर विचार : देववाद, पुरुषोत्तमवाद, ईश्वरवाद, सर्वेश्वरवाद, निमिन्तोपादानेश्वर वाद।

चतुर्थ इकाई :– ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण : तात्विक प्रमाण, सृष्टिमूलक, प्रयोजनमूलक, नैतिक प्रमाण।

पंचम इकाई :– अशुभ की समस्या, धर्मनिरपेक्षतावाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. मनुस्मृति – पी0वी0 काणें।
2. धर्म दर्शन का इतिहास – वी0पी0 वर्मा।
3. धर्म दर्शन – याकूब मसीह।
4. Philosophy of Religion – Y. Masih.
5. An Introduction of Religion– J. Hick.

अथवा

लघुशोध प्रबन्धाय

i- शोध प्रविधि – 64+16

ii- पाण्डुलिपि विज्ञानम् – 16+04

आचार्य–द्वितीय खण्ड, तृतीय सेमेस्टर

पंचम् प्रश्नपत्र– धर्म दर्शन –II

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– आत्मा की अवधारणा, मोक्ष और मानव नियति, आत्मा की अमरता के प्रमाण।

द्वितीय इकाई :–संकल्प स्वातंत्र्य, कर्म, पुर्नजन्म, पुरुषार्थ चतुष्टय।

तृतीय इकाई :– रहस्यवाद, अवतारवाद।

चतुर्थ इकाई :– धार्मिक चेतना।

पंचम इकाई :– सार्वभौम धर्म की सम्भावना, सर्व धर्म समन्वय।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. धर्मशास्त्र का इतिहास – पी0वी0 काणें।
2. धर्म का उद्भव एवं विकास – डब्यू0 हॉपकिन्स।
3. धर्म दर्शन की मूल समस्याएं – डॉ0 वी0पी0 वर्मा
4. Varictics of Religious Experience – W. James.
5. Seculorism – M.M. Shankorolhen.

आचार्य–द्वितीय खण्ड, चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र– समकालीन भारतीय दर्शन

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– राधा कृष्णन : बुद्धि और प्रज्ञा, जीवन की आध्यात्मिक दृष्टि, विवेकानन्द : व्यावहारिक वेदांत।

द्वितीय इकाई :–गाँधी : सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, रवीन्द्रनाथ टैगोर : मानव का स्वरूप, मानववाद, मानव का धर्म।

तृतीय इकाई :– श्री अरविन्द : सच्चिदानंद, समग्रयोग, आरोह एवं अवरोह।

चतुर्थ इकाई :– के0सी0 भट्टाचार्य : दर्शन की अवधारणा, निरपेक्ष की अवधारणा। एम0एन0 राय : उग्र मानवतावाद।

पंचम इकाई :– बी0आर0 अम्बेडकर : सामाजिक इकाई, मो0 इकाबाल : मृत्यु के उपरान्त जीवन।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. समकालीन भारतीय दर्शन – बी0के0 लाल।
2. भारतीय दर्शन की समस्याएं और समकालीन दर्शन – बद्रीनाथ सिंह
3. समकालीन भारतीय दर्शन – संपादक लक्ष्मी सक्सेना।
4. Cotemporary Indian Philosophy – B.K. Lal.
5. Studies in Philosophy – K.C. Bhattacharya.
6. Gandhi's Political Philosophy – Bhikhu Parekh.

आचार्य–द्वितीय खण्ड, चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र–सामाजिक एवं राजनीतिक दर्शन

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– समाज दर्शन–स्वरूप, परिभाषा एवं क्षेत्र।

द्वितीय इकाई :–व्यक्ति, समाज एवं राज्य, समाज की उत्पत्ति के सिद्धान्त।

तृतीय इकाई :– सामाजिक संस्थाएं–परिवार, विवाह और परिवार, परिवार की आवश्यकता एवं महत्त्व।

चतुर्थ इकाई :– लोकतन्त्र, पूँजीवाद, समाजवाद, साम्यवाद।

पंचम इकाई :– परंपरा, परिवर्तन एवं आधुनिकता, मानव–मूल्य, अधिकार और कर्त्तव्य।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1.	समाज दर्शन	–	शिवभानु सिंह।
2.	समाज दर्शन के मूल तत्त्व	–	राम जी सिंह
3.	समाज एवं राजनीतिक दर्शन एवं धर्म दर्शन	–	डॉ0 रामेन्द्र।
4.	Social Philosophy	–	J.S. Mackenzie.
5.	Pricipals of social Reconstructions	–	B. Russell.
6.	Modern Indian Political Thought	–	J.P. Sood.

आचार्य–द्वितीय खण्ड, चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र– भारतीय सौन्दर्य शास्त्र

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– साहित्य कला (काव्य), विभिन्न कलाएं–चित्र कला, संगीत कला, शिल्प कला, नृत्य कला, अभिनय कला, द्यूतकला आदि।

द्वितीय इकाई :–काव्य लक्षण : काव्य की परिभाषा, काव्य के हेतु– प्रतिभ/व्युत्पत्ति/अभ्यास/काव्य का प्रयोजन।

तृतीय इकाई :– काव्य के भेद–दृश्य काव्य, श्रव्य काव्य।

चतुर्थ इकाई :– साहित्य शास्त्र की समीक्षा के विभिन्न सिद्धान्त–रस सिद्धान्त (भरत), वक्रोक्ति सिद्धान्त या अलंकार सिद्धान्त (भामह), रीति सिद्धान्त–छः काव्य गण (दण्डी और वामन), ध्वनि सिद्धान्त (आनन्द वर्धन), रस–ध्वनि सिद्धान्त (अभिनव गुप्त)।

पंचम इकाई :– उत्तरवर्ती चिन्तकों के मिश्रित दृष्टिकोण : मम्मट विश्वनाथ, विद्याधर, जगन्नाथ और अप्पयदीक्षित।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. काव्य प्रकाश – मम्मट।
2. साहित्य दर्पण – विश्वनाथ।
3. ध्वन्यालोक – आनन्द वर्धन।
4. History of Sanskrit Politics - P.V.Kane.
5. Comporitice Aesthetic – K.C. Pandey.

आचार्य–द्वितीय खण्ड, चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र– अवैदिक दर्शन

–80+20 अंकाः

प्रथम इकाई :– चार्वाक दर्शन–प्रत्यक्ष प्रमाण, अनुमान एवं शब्द प्रमाण का खण्डन, ईश्वर, आत्मा एवं मोक्ष का निराकरण, आधिभौतिक सुखवाद।

द्वितीय इकाई :–जैन दर्शन–जैन आचार विचार, रत्नत्रय, कर्म, पदार्थ, गुणस्थान, द्रव्य विचार, जीव, अजीव, और पुद्गल।

तृतीय इकाई :– जैन दर्शन–स्याद्वाद, अनेकान्तवाद, सप्त भंगीनय, बन्धन तथा मोक्ष।

चतुर्थ इकाई :– बौद्ध दर्शन–आर्य सत्य, आष्टाँगिक मार्ग, अनात्मवाद।

पंचम इकाई :– बौद्ध दर्शन–प्रतीत्यसमुत्याद, क्षण भंगवाद, बौद्ध सम्प्रदायः हीनयान, महायान, निर्वाण।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. स्यादवादमंजरी – मल्लिसेण सूरी।
2. जैन तर्क भाषा – डी0एन0 भार्गव।
3. बौद्ध न्याय – शेखात्स्की।
4. Buddhist Logic – Stehervortsky.
5. Toina Tark Bhasha – D.N. Bhorgava.
6. Syordvodamanjari – Mallisen Suri.

लघुशोध निबन्ध – **80+20 अंकाः**

आचार्य–द्वितीय खण्ड, चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम् प्रश्नपत्र– वाक् परीक्षा

–100 अंकाः